अवलोकन

घरेलू कचरा छंटाई/अलग-अलग करना में सुधार

(Household Waste- Segregation)

ठोस कचरे का प्रबंधन करना पूरी दुनिया के लिये गंभीर चिंता का विषय है। घरेलू कचरे को स्त्रोत से ही अलग-अलग छंटाई करना, कचरा प्रबंधन की एक प्रभावी एवं टिकाउ रणनीति है। हालांकि स्थानीय सहयोग की कमी एवं कचरा प्रबंधन की सुस्त एवं ढीली रवैये के कारण घरेलू कचरे की छंटाई का स्तर अभी भी अपर्याप्त है। इसी को ध्यान में रखते हुए, भारतीय आर्युविज्ञान अनुसंधान परिषद की भोपाल स्थित शाखा राष्ट्रीय पर्यावरणीय स्वास्थ्य अनुसंधान संस्थान की रिसर्च टीम ने आर डी गार्डी मेडिकल कॉलेज, उज्जैन एवं नगर पालिका निगम, उज्जैन के साथ सहभागिता कर संयुक्त रूप से मध्यप्रदेश के उज्जैन शहर के रहवासियों में घरेलू कचरा छंटाई/अलग-अलग करना (Household Waste Segregation) को लेकर जनजागरूकता एवं जनभागीदारी को बढ़ावा देने के उददेश्य से एक परियोजना संचालित की जा रही है। यह परियोजना स्वीडिश रिसर्च काउंसिल फॉर एनवायरमेण्ट, एग्रीकल्चरल साइंसेस एंड स्पेशल प्लानिंग (फॉरमस) द्वारा वित्तपोषित की गई है।

इस अध्ययन का मुख्य उद्देश्य उन्नत स्वास्थ्य और अपने पर्यावरण की स्थिरता के लिए घरेलू कचरे के प्रबंधन की एक बेहतर समझ को विकसित करना है। घरेलू कचरा छंटाई/अलग-अलग करना (Household Waste Segregation) में सुधार के लिये नये तरीके एवं समाधान जानने के लिये हमने आम नागरिको से प्राप्त विचारों एवं बिंदुओं के आधार पर क्राउडसोर्सिंग प्रक्रिया की संभावना पर एक उप-अध्ययन का प्रस्ताव भी शामिल किया है जिसमें ऑनलाईन प्रतियोगिताएं जैसे कि स्लोगन प्रतियोगिता, अभिनव विचार प्रतियोगिता, फोटोग्राफी प्रतियोगिता आदि सम्मिलित है। यह सभी प्रतियोगिताएं विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर सार्वजनिक रूप से उपलब्ध रहेंगे। सभी प्राप्त प्रविष्टियों का विशेषज्ञों द्वारा नवीनता, सरलता, किफायत एवं जन सामान्य में स्वीकार्यता के आधार पर निष्पक्ष रूप से आंकलन किया जायेगा। सभी प्रतिभागियों को प्रतिभागिता प्रमाण पत्र एवं विजेताओं को ईनाम राशि प्रोत्साहन के रूप में दी जायेगी।

हम आपकी भागीदारी की सराहना करते हैं एवं आपके जैसे ओर भी लोगों को इसमें भागीदार बनने के लिये प्रचारित करते हैं।

ऑनलाईन स्लोगन प्रतियोगिता

प्रतियोगिता के बारे में :

भारतीय आर्युविज्ञान अनुसंधान परिषद-राष्ट्रीय पर्यावरणीय स्वास्थ्य अनुसंधान संस्थान (आईसीएमआर-एनआईआरईएच) भोपाल, आर डी गार्डी मेडिकल कॉलेज, उज्जैन एवं नगर पालिका निगम, उज्जैन सहभागी के रूप में **संयुक्त रूप से ऑनलाईन स्लोगन प्रतियोगिता का आयोजन करने जा रहे हैं** जिसका उददेश्य घरेलू कचरा छंटाई/अलग-अलग करना (Household Waste Segregation) को बढ़ावा देना है। स्लोगन आम लोगों के विचारों तक पहुंचने का एक सटीक तरीका है। हम ऐसे स्लोगनो की अपेक्षा कर रहें हैं जो वर्तमान में चल रही घरेलू कचरा छंटाई/अलग-अलग करना (Household Waste Segregation) अभियान के महत्व को बढ़ाने के साथ साथ लोगों को घर पर ही कचरा अलग अलग उचित ढंग से करने के लिये प्रेरित करे। चुनिंदा श्रेष्ठ स्लोगन को नगद पुरस्कार दिया जायेगा एवं सभी प्रतिभागियों को ई-प्रमाणपत्र प्रदान किये जायेंगे।

थीम्स- "घरेलू कचरा छंटाई/अलग-अलग करना (Household Waste Segregation) में सुधार"

कचरे का पृथक्करण या अलग-अलग करना स्थाई कचरा प्रबंधन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। ठोस अपशिष्ट प्रबंधन 2016 के नियम अनुसार, भारत सरकार ने घरेलू कचरा पृथक्करण को अलग-अलग करके देना अनिवार्य किया है जो कि ठोस अपशिष्ट प्रबंधन कार्यक्रम में कचरा उतपन्न करने वालों की भूमिका एवं जिम्मेदारी तय करता है। कचरा को अनिवार्य रूप से गीला कचरा (जैविक), सूखा कचरा (प्लास्टिक, कागज, धातू आदि) एवं घरेलू हानिकारक कचरा (सैनिटरी कचरा, डायपर्स, सफाई के लिये प्रयुक्त एजेंटस, मक्खी/मच्छर मारने की दवा आदि) के रूप में अलग अलग रखा जाना चाहिये। सफल कचरा प्रबंधन के लिये कचरा छंटाई/अलग-अलग करना (Household Waste Segregation) पर जन भागीदारी एवं जनजागरूकता को बढ़ावा देना अनिवार्य है। अतएव इस प्रतियोगिता के माध्यम से हम अपेक्षा करते हैं कि ऐसे स्लोगन मिल सकेंगे जो असरदार होकर व घरेलू कचरे को अलग-अलग करने के लिये लोगों को प्रेरित करें।

नियम एवं शर्ते :

- प्रति व्यक्ति सिंगल इण्ट्री
- प्रविष्टियां हिंदी या अंग्रेजी में ही स्वीकार की जायेगी।
- हिंदी एवं अंग्रेजी दोनों भाषाओं में स्लोगन के लिए अलग-अलग पुरस्कार प्रदान किये जायेंगे।
- स्लोगन स्वनिर्मित होना चाहिये, नकल पाये जाने पर प्रतिभागिता रदद की जायेगी।
- स्लोगन दी गई थीम पर आधारित होना चाहिये
- स्लोगन दस शब्दों से ज्यादा नही होना चाहिये
- किसी भी प्रविष्टि को बिना कारण बताये चुनने या अस्वीकार करने का अधिकारआयोजकों के पास सुरक्षित रहेगा
- आयोजक किसी भी समय प्रतियोगिता को रदद करने, नियमों को, प्रतियोगिता की तारीख को बदलने का अधिकार सुरक्षित रखते हैं। प्रतिभागी को होने वाले किसी भी प्रत्यक्ष/परोक्ष रूप से होने वाली असुविधा/हानि के लिये जिम्मेदार नहीं होंगे तदनुसार प्रतिभागी को इससे संबंधित किसी भी प्रकार का दावा करने का अधिकार नही होगा।
- प्रतियोगिता पोर्टल पर एक बार प्रविष्टिप्राप्त होने के बाद प्रतियोगिता किसी भी कारण से रूकने या रदद होने पर कोई दावा मान्य नही होगा।
- किसी प्रतिभागी के हटने या स्वैच्छिक प्रविष्टि वापस लेने को प्रोत्साहित नही किया जायेगा।
- किसी भी समय संशोधन के किसी अन्य स्वरूप या तरीके पर विचार नही किया जायेगा।

शुल्क : सभी के लिये नि:शुल्क

रजिस्ट्रेशन : 7 मार्च से 31 मार्च 2022 तक, इसके पश्चात प्राप्त प्रविष्टि स्वीकार नही की जायेंगी।

निर्णय : सभी प्राप्त स्लोगन का विशेषज्ञों द्वारा नवीनता, सरलता एवं स्वीकार्यता के आधार पर आंकलन किया जायेगा।

परिणाम : प्रतियोगिता के बाद संस्थान की वेबसाईट पर प्रदर्शित किया जायेगा तथा विजेताओं को ईमेल के माध्यम से सूचित किया जायेगा।

प्रमाण-पत्र : सभी प्रतिभागियों को ई-प्रमाणपत्र प्रदान किये जायेंगे।

योग्यता : सभी भारतीय नागरिक इस प्रतियोगिता में भाग ले सकते हैं

ईनाम राशि :

पुरस्कार: हिंदी एवं अंग्रेजी दोनों भाषाओं में स्लोगन के लिए अलग-अलग पुरस्कार प्रदान किये जायेंगे।

प्रथम विजेता - 5000 रूपये की नगद धनराशि

द्वितीय विजेता - 3000 रूपये की नगद धनराशि

तृतीय विजेता - 2000 रूपये की नगद धनराशि

अधिक जानकारी के लिये संपर्क करें : projectimissicmrnireh@gmail.com